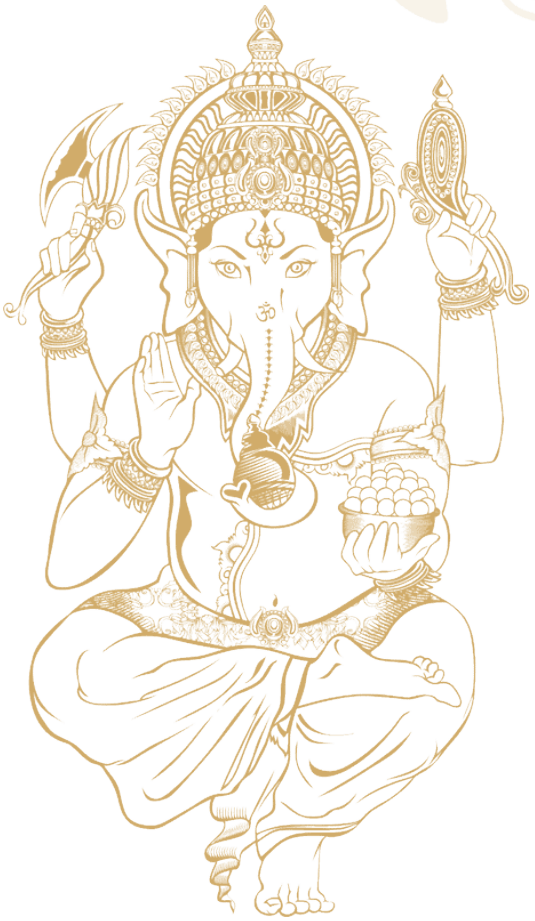

21 Jan 2026

12:35 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121000403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**12:35:00 घंटे**
इष्ट	13:22:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:13:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:14 घंटे
साम्पातिक काल	20:16:31 घंटे
सूर्योदय	07:14:08 घंटे
सूर्यास्त	17:51:02 घंटे
दिनमान	10:36:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:01:18 मकर
लग्न के अंश	21:45:48 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:45:48	436:47:14	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मक	07:01:18	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	05:55:04	12:57:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	04:08:53	00:46:42	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	06:46:53	01:40:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:25:56	00:07:44	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	10:30:38	01:15:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:25:31	00:05:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:07:44	00:01:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:07:44	00:01:13	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:19:11	00:00:43	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:38:44	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:07:54	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	07:39:25	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

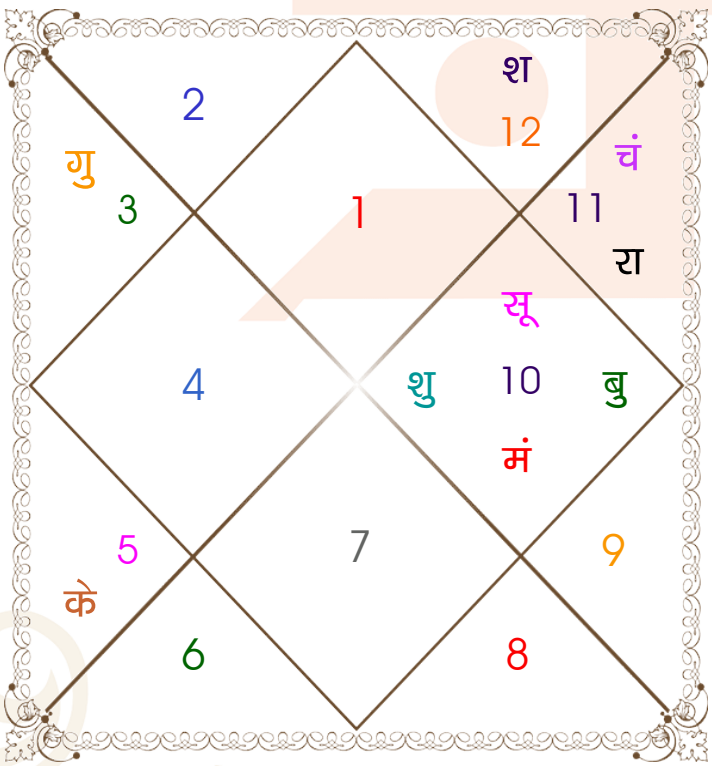

चन्द्र कुंडली

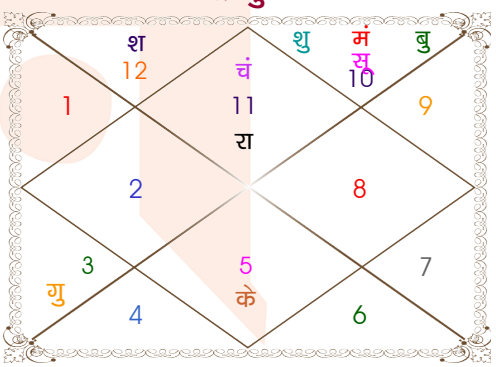

नवमांश कुंडली

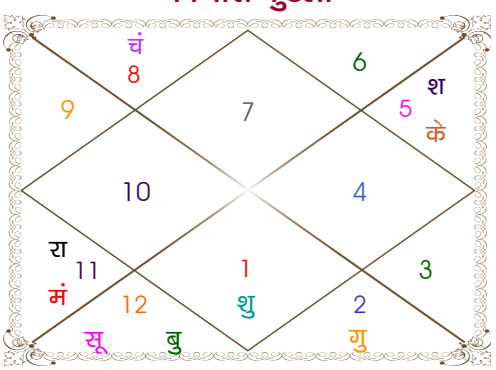

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 4 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/01/2026		14/06/2026		13/06/2044		13/06/2060		14/06/2079	
14/06/2026		13/06/2044		13/06/2060		14/06/2079		13/06/2096	
	00/00/0000	राहु	24/02/2029	गुरु	01/08/2046	शनि	17/06/2063	बुध	10/11/2081
	00/00/0000	गुरु	20/07/2031	शनि	12/02/2049	बुध	24/02/2066	केतु	07/11/2082
	00/00/0000	शनि	26/05/2034	बुध	21/05/2051	केतु	05/04/2067	शुक्र	07/09/2085
	00/00/0000	बुध	13/12/2036	केतु	25/04/2052	शुक्र	05/06/2070	सूर्य	14/07/2086
	00/00/0000	केतु	31/12/2037	शुक्र	25/12/2054	सूर्य	17/05/2071	चंद्र	14/12/2087
	00/00/0000	शुक्र	31/12/2040	सूर्य	14/10/2055	चंद्र	16/12/2072	मंगल	10/12/2088
	00/00/0000	सूर्य	25/11/2041	चंद्र	12/02/2057	मंगल	25/01/2074	राहु	29/06/2091
	21/01/2026	चंद्र	27/05/2043	मंगल	19/01/2058	राहु	01/12/2076	गुरु	04/10/2093
चंद्र	14/06/2026	मंगल	13/06/2044	राहु	13/06/2060	गुरु	14/06/2079	शनि	13/06/2096

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/06/2096		15/06/2103		15/06/2123		14/06/2129		15/06/2139	
15/06/2103		15/06/2123		14/06/2129		15/06/2139		22/01/2146	
केतु	09/11/2096	शुक्र	14/10/2106	सूर्य	02/10/2123	चंद्र	15/04/2130	मंगल	11/11/2139
शुक्र	09/01/2098	सूर्य	15/10/2107	चंद्र	02/04/2124	मंगल	14/11/2130	राहु	29/11/2140
सूर्य	17/05/2098	चंद्र	14/06/2109	मंगल	08/08/2124	राहु	15/05/2132	गुरु	04/11/2141
चंद्र	16/12/2098	मंगल	15/08/2110	राहु	03/07/2125	गुरु	14/09/2133	शनि	14/12/2142
मंगल	14/05/2099	राहु	14/08/2113	गुरु	21/04/2126	शनि	15/04/2135	बुध	11/12/2143
राहु	02/06/2100	गुरु	14/04/2116	शनि	03/04/2127	बुध	13/09/2136	केतु	09/05/2144
गुरु	09/05/2101	शनि	15/06/2119	बुध	07/02/2128	केतु	15/04/2137	शुक्र	09/07/2145
शनि	18/06/2102	बुध	15/04/2122	केतु	14/06/2128	शुक्र	14/12/2138	सूर्य	14/11/2145
बुध	15/06/2103	केतु	15/06/2123	शुक्र	14/06/2129	सूर्य	15/06/2139	चंद्र	22/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।